Ravi Kant Anand (H.O.D)
Dept. of Geography

24/05/2020

समुद्री जल मार्ग

1

विश्व के प्रमुख समुद्री जलमार्गों की विवेचना करें।

विश्व को स्थलीय एवम जलीय दो भागों में बाँटा गया है। विश्व के स्थलीय भाग के अन्तर्गत 7 महादेश हैं। एशीया, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका, अन्टार्कटिका ओशियाना (आस्ट्रेलिया और न्यूजिलैंड) और यूरोप। विश्व के जलीय भाग के अन्तर्गत 5 महासागर हैं। प्रशांत महासागर, अटलांटिक महासागर, हिन्द महासागर, आर्कटिक महासागर, और दक्षिणी महासागर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जल मार्ग सबसे उपयुक्त और सबसे सस्ता साधन है। लगभग 80% अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए जलमार्ग का उपयोग किया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार बंदरगाहों के माध्यम से किया जाता है, जो रेलवे, सड़क या अन्तर्देशीय जलमार्गों के माध्यम से भीतरी इलाकों से जुड़े होते हैं। जल परिवहन में नहरों, झीलों, नदियों, समुद्रों और महासागरों से परिवहन शामिल है। जलमार्ग को अन्तर्राष्ट्रीय परिवहन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जल परिवहन को अन्तर्देशीय जल परिवहन और महासागरीय जल परिवहन दो भागों में विभाजित किया गया है।

पूरे विश्व को अन्तर्देशीय जल परिवहन के अन्तर्गत 7 भागों में बाँटा गया है।

(I) दक्षिणी अटलांटिक महासागर के मार्ग
(II) उत्तरी अटलांटिक महासागर के मार्ग
(III) भूमध्यसागर के मार्ग
(iv) Cape of good hope मार्ग

(v) उत्तरी प्रशांत महासागरीय मार्ग
(vi) दक्षिणी प्रशांत महासागरीय मार्ग
(vii) हिन्द महासागरीय मार्ग

(i) दक्षिणी अटलांटिक महासागर के मार्ग :- यह मार्ग दक्षिण अमेरिका के साथ उत्तरी अमेरिका और यूरोप से जुड़ता है। इसके माध्यम से जलमार्ग उत्तरी अमेरिका और यूरोप से औद्योगिक सामान दक्षिण अमेरिका में ले जाया जाता है। इस समुद्री मार्ग से परिवहन किए जाने वाले प्रमुख उत्पाद मशीन, बिजली के सामान, दैनिक जरूरत के सामान, चिकित्सा, उपकरण, दवाईयाँ, रेलवे का सामान, हवाई जहाज के हिस्से, सेना एवम रक्षा उपकरण इत्यादि है।

(ii) उत्तरी अटलांटिक महासागर के मार्ग :- यह जलमार्ग बहुत ही महत्वपूर्ण जलमार्ग है। यह जलमार्ग पश्चिमी यूरोप के विकसित क्षेत्रों के साथ उत्तरी अमेरिका के विकसित क्षेत्रों से जुड़ता है। इस महासागरीय मार्ग पर दुनियाँ के कई महत्वपूर्ण हिस्से जैसे मैनचेस्टर, लंदन, प्रेमेन, किंग्सटन, क्यूबेक, मॉनट्रियाल, न्यूहवाना, कैवेस्टन इत्यादि है। दुनियाँ के इस जलमार्ग के माध्यम से अधिकतर माल पहुँचाया जाता है।

(iii) भूमध्यसागर के मार्ग :- यह जलमार्ग उत्तरी अटलांटिक महासागर मार्गों के साथ एशिया और ऑस्ट्रेलिया महाद्वीपों को जोड़ता है। यह जलमार्ग दुनियाँ के अधिकतम देशों के साथ जुड़ता है। इस जलमार्ग के

माध्यम से पूर्वी देशों का कच्चा माल पश्चिमी देशों में और औद्योगिक उत्पादनों को पूर्वी देश में पहुँचाने का काम करता है। यह पूर्वी एशिया और यूरोप में अफ्रिका के दक्षिणी भागों में मिलता है।

(iv) Cape of good hope मार्ग :- यह पूर्वी एशिया और यूरोप में अफ्रीका के दक्षिणी भागों में मिलती है। स्वेज नहर के निर्माण के साथ इस समुद्री मार्ग में अपना महत्व खो दिया है। केवल बड़े आकार के जहाजों को इस महासागरीय मार्ग के माध्यम से भारी और सस्ते माल से भरा जाता है।

(v) उत्तरी प्रशांत महासागरीय मार्ग :- ये जलमार्ग पूर्वी एशिया और उत्तरी अमेरिका में एक-दूसरे के साथ जुड़ते हैं। यह जलमार्ग बहुत लम्बा है। इस मार्ग में चीन जैसे बड़े देश आते हैं। इसके अलावा इस जलमार्ग में कोरिया, जापान, फिलिपिंस इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर और हॉंगकॉंग लाभांवित होते हैं।

(vi) दक्षिणी प्रशांत महासागरीय मार्ग :- यह ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, उत्तरी अमेरिका और पश्चिमी यूरोप को एक-दूसरे से जोड़ता है। इस समुद्री मार्ग के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया ऊन, मक्खन, पनीर, खाल, रबड़ आदि का निर्यात करता है। इस मार्ग से औद्योगिक उत्पादों का आयात भी किया जाता है।

(vii) हिन्द महासागरीय मार्ग :- भारतीय महासागरीय जलमार्ग का उपयोग उन देशों द्वारा किया जाता है जो हिन्द महासागर के आसपास के क्षेत्र में आता है। इस मार्ग के माध्यम

से निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तुएं चाय, जूट, खनिज, अयस्क आदि और आयात करने वाले वस्तु मुख्य रूप से औद्योगिक उत्पादक होते है।